दर्शन दो जाहरवीर | By Sunita Panchal

दर्शन दे जाहरवीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

तेरो सारे जग में हल्ला है
तू माँ बाछल को लल्ला है
तुम काटो जन की पीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

सरवर सुलतान को घेरा था
वहां गुरु गोरख को टेरा था
गउवन की बंधाई धीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

तने अर्जन सरजा मारे हैं
दुखियो के कारज सारे है
क्यूँ बन बैठे थे पीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

तेरे द्वार खड़े सब दुखियारे
हर दम बोले जय जयकारे
इनकी भी खोल तक़दीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

मुन्ना ये छंद बड़े प्यारे
स्वराज सिंह कद के गारे
संग गा रहे हैं सुखवीर
अभिलाषा तेरे दर्शन की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a4%b5%e0%a5%80%e0%a4%b0-by-sunita-panchal/